फ्लाईट व 3 A/C रिजर्वेशन द्वारा कामाख्या देवी, नेपाल तीर्थयात्रा

यात्रा प्रारम्भ: 22 अगस्त 2022

यात्रा समय: 14 दिन

दिनांक	स्टेशन	स्थान
पहला दिन	दिल्ली	दिल्ली से फ्लाईट द्वारा गोहाटी के लिए प्रस्थान (रात्रि विश्राम गोहाटी में)।
दूसरा दिन	❑ गुवाहाटी	कामाख्या देवी मन्दिर दर्शन। प्राकृतिक सौन्दर्यावलोकन करते हुए दोपहर बाद गुवाहाटी से शिलाँग के वास्ते बस द्वारा प्रस्थान। (रात्रि विश्राम शिलाँग में)।
तीसरा दिन	❑ चेरापूँजी	प्राकृतिक सौन्दर्यावलोकन (शिलाँग से बस द्वारा, रात्रि विश्राम शिलाँग में)।
चौथा दिन	❑ शिलाँग	प्राकृतिक सौन्दर्यावलोकन व शिलाँग साईट सीन। (दोपहर बाद शिलाँग से बस द्वारा गुवाहाटी व रेल से **NJP** के वास्ते प्रस्थान।)
पांचवा दिन	❑ गंगटोक	वाटर फाल्स, बुद्धिस्ट मन्दिर, मोनेस्ट्री म्यूजियम, रोपवे, फूलों की प्रदर्शनी । (छोटी बस द्वारा न्यूजलपाईगुडी **NJP** से प्रस्थान) (रात्रि विश्राम गंगटोक में)
छठवां दिन	❑ नाथुलादर्रा	नाथुलादर्रा, नया बाबा हरनाम सिंह मन्दिर। (छोटी बस द्वारा व रात्रि विश्राम गंगटोक)
सांतवा दिन	❑ नामची	प्रसिद्ध सिद्धेश्वर धाम मन्दिर, चारधाम मन्दिर दर्शन (रात्रि विश्राम दार्जिलिंग)
आठवां दिन	❑ दार्जिलिंग	चिड़ियाघर, हिमालयन माउन्टेनियरिंग, तेनजिंग रॉक, जापानी मन्दिर, पीकपैगोडा, रिफ्यूजी सेन्टर, मैरी-टी गार्डन, सनराईज प्वांइट, टाईगर हिल, घूम मोनेस्ट्री। (गंगटोक से छोटी बस द्वारा दार्जिलिंग के लिये प्रस्थान) (रात्रि विश्राम दार्जिलिंग में)
नवां दिन	❑ दार्जिलिंग	प्रातः काल प्राकृतिक सौंदर्यावलोकन करते हुये काकड़विट्टा हेतु प्रस्थान (रात्रि विश्राम काकड़विट्टा / सिलीगुड़ी में)
दसवां दिन	❑ नेपाल (काठमाण्डु)	काकड़विट्टा से बस द्वारा काठमाण्डु के वास्ते प्रस्थान। (रात्रि विश्राम काठमाण्डु होटल में) (यात्री देर रात्रि में काठमाण्डू पहुँचेंगे तथा बारहवें दिन दोपहर बाद होटल खाली करके पशुपतिनाथ, बागमति गंगा दर्शन, स्वयंभू, बूढ़ा नीलकण्ठ करते हुए वापसी रक्सौल के वास्ते रवाना होंगे व रक्सौल से दिल्ली रेल द्वारा प्रस्थान।)
चौदहवां दिन	दिल्ली	मधुर स्मृतियों के साथ यात्रा समापन।

<u>यात्रा किराया</u> :- भोजन, चाय, नाश्ता, बस, होटल, 3 टियर A/C रिजर्वेशन, फ्लाईट (दिल्ली से गुवाहाटी) द्वारा का किराया ₹**38,000**/- प्रति सवारी होगा। अग्रिम बुकिंग हेतु ₹**5,000**/- प्रति यात्री नगद अथवा ऑनलाइन 'श्री शिव शंकर तीर्थ यात्रा' ऋषिकेश के **S.B.I** बैंक खाते में जमा करवा दें। शेष धनराशि यात्रा प्रारंभ होने से पूर्व ली जायेगी। नेपाल यात्रा के लिए वोटर आई. डी. लाना आवश्यक है। नाथुला पास चाईना बॉर्डर होने के कारण यहाँ मिलिट्री से परमिशन लेनी पडती है। यदि किसी कारणवश परमिशन नहीं मिलती है तो उसकी जगह झांगु लेक दिखाई जायेगी।

फ्लाइट द्वारा यात्रा के नियम व सुविधाऐं

1. यात्रियों के लिए यात्राकाल में सुबह की चाय, नाश्ता, दोपहर व रात्रि भोजन में एक दाल, एक सब्जी, चावल, रोटी का पूरा प्रबन्ध होगा। शाम को चाय दी जायेगी। दाल-चावल, रोटी में देशी घी का प्रयोग होगा। सब्जी व नाश्ते में रिफान्ड्ड तेल का प्रयोग होगा। चावल देहरादूनी बासमती बनाया जायेगा। समय की उपलब्धता के आधार पर यात्रियों को पापड़ व अचार भी भोजन के साथ दिया जायेगा। प्याज-लहसुन का प्रयोग पूर्णतः वर्जित होगा। भोजन शुद्ध शाकाहारी सात्विक बनाया जायेगा। यात्रा के दौरान तवा चपाती बनायी जायेगी व समय की उपलब्धता के अनुसार पूड़ी, पराठें व खिचड़ी भी बनायी जायेगी तथा यात्रा में समय अनुसार लंच पैकेट भी दिया जाएगा।
2. रात्रि विश्राम के लिए होटल का प्रबन्ध समस्त यात्रियों के लिए 2/3 बैड के अटैच लैट-बाथरूम कमरों में किया जाएगा।
3. फ्लाइट मे यात्रि अपने पावर बैंक को हैंड बैग में ही रखे व कैंची, नेल कटर, चाकू आदि तरह का सामान फ्लाइट में ना लेकर जाये। यात्रा मैं फ्लाइट के नियम के अनुसार प्रत्येक यात्री अपने साथ 15 किलो तक का एक सूटकेस या बैग जोकि चेक इन बैगेज में जायेगा और 7 किलो तक का एक बैग हैंड बैगेज में लेके जा सकते हैं।
4. प्रत्येक यात्रियों के फ्लाइट के बोर्डिंग पास फ्लाइट में बैठने से 24 घंटे के अन्दर यात्री के मोबाइल पर व्हाट्सएप द्वारा भेज दिए जाएंग। फ्लाइट और रेल का नियमों का पालन अवस्य करें।
5. यात्री अपने प्लेन की टिकट पर दिया गए टर्मिनल पर फ्लाइट उड़ने के समय से 3 घंटा पूर्व डिपार्चर गेट के सामने संस्था के प्रतिनिधि से मिले।
6. यात्री अपने साथ असली फोटो पहचान पत्र **Aadhar, Voter ID, Vaccination Certificate** व 3 पासपोर्ट साईज फोटो अवश्य साथ लावे ।
7. फ्लाईट बुक होने के बाद यात्री अपनी सीट कैंसिल करवाता है तो अग्रिम धनराशि वापिस नहीं की जायेगी। दर्शनीय स्थलों का प्रवेश शुल्क यात्रियों द्वारा वहन किया जायेगा। हवाई जहाज की सुविधा उड़ान की स्थिति पर निर्भर करेगी।

यात्रियों को निम्नलिखित नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

- यात्रा काल के दौरान आर्थिक, शारीरिक क्षति एवं यात्री के सामान की जिम्मेदारी यात्री की स्वयं की होगी। व्यवस्थापक यात्रियों के नुकसान का जिम्मेदार नहीं होगा।
- यदि कोई यात्री किन्हीं कारणवश अथवा अस्वस्थ होने की वजह से अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर घर वापिस आना चाहेगा तो उस अवस्था में यात्री को व्यवस्थापक की तरफ से केवल घर तक पहुंचाने हेतु रेलवे का थ्री टायर स्लीपर क्लास का टिकिट ही दिया जायेगा। किराया वापसी किसी भी अवस्था में देय नहीं होगा। यह व्यवस्था केवल यात्रा समाप्ति के 5 दिन पूर्व तक लागू होगी।
- यात्रा में फ्लाइट लेट होने / बस खराब होने/ मौसम खराब होने/साप्ताहिक अवकाश/ बन्द/ रैली आदि के कारण सें किसी स्थान पर दर्शन ना होने पर संस्था/ व्यवस्थापक द्वारा कार्यक्रम में जो भी बदलाव किया जायेगा, यात्रियों से निवेदन है कि परिस्थतियों को समझते हुए उसमें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें।
- यात्रा काल में मैनेजर यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा देने की कोशिश करेंगे परन्तु फिर भी यात्रा के दौरान थोड़ी असुविधा होना स्वाभाविक है। उस समय 'परदेश नरेश कलेशन' की कहावत के अनुसार तपस्या की भावना से उसे सहन करें व व्यवस्थापक को पूर्ण सहयोग प्रदान करें।